क्रमांक 1005-ज-(II)-82/24088 — श्री बारू राम, पुत्र श्री राये सिंह, गांव संचारा कलां, तहसील सफीदों, जिला जींद, की दिनांक 7 जून, 1981, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री बारूराम की मुक्तिग 150 रुपये वाषिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की ग्रधिसूचना क्रमांक 4359-र-4-67/3778, दिनांक 16 सितम्बर, 1967 तथा ग्रधिसूचना क्रमांक 5041-ग्रार.—III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंजूर की गई थी, ग्रब उसकी विधवा श्रीमती प्रसन्नी देवी के नाम रवी, 1982 से 300 रुपये वाषिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के ग्रन्तर्गंत प्रदान करते हैं।

दिनांक 21 जुलाई, 1982

कमांक 1042-ज(I)-82/24369 -- पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार घ्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3 (1ए) के ध्रनुसार सींपे गये ग्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यवाल श्री जय दियाल, पुत्र श्री लिखमा राम, गांव सुन्दरह, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, को रबी, 1977 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 1063-ज (I)-82/24463.—पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यान श्री भगत राम, पुत्र श्री लठमन दास, गांव पंजलासा, तहसील नारायणगड़, जिला अम्बाला, को खरीफ, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 27 जुलाई, 1982

कमांक 1062-ज (I)-82/24901.--पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार श्रविनियम, 1948 (जैही कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आजतक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के श्रनुसार सी गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यनाल श्री खजान सिंह, पुत श्री जगत सिंह, गांव को इवां खुर्द, तहसील नारायणगढ़, जिलाश्रम्बाला, को खरीफ, 1974 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वाधिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वाधिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद्में दी गई शर्ती के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

दिनांक 29 जुलाई, 1982

क्रमांक 1040-ज-(I)-82/25291 --श्री बनवारी लाल, पुत्र श्री डाल बन्द, गांव पौजा, तहसीत व जिला महेन्दगढ़, की दिनांक 26 जनवरी, 1982 को हुई मृत्युके परिणानस्य हे हिर्याणा के राज्याल, पूर्वी पंताब पुरस्कार प्रधितियम, 1948 (जैता कि उसे हिर्याणा राज्य में प्रयताया गया है और उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री बनवरी लाल की मुन्ति 30 ठ रुपये वाकि की जागीर जो उसे हरियाणा नरकार की अधिसूचना कमांक 2302-ज-I-82/32545 दिनांक 30 ग्रामत, 1972 तथा अधिसूचना कमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 ग्राक्त्यर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमती मूर्ति देवी के नाम खरीफ, 1982 से 300 रुपये वाणिक की दर से सनद में दी गई शती के अप्तरंत प्रदानकरते हैं।

टी. ग्रार. तुली, ग्रवर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्य विभाग ।